हैरी हूदीनी

लेखन: एलिज़ाबैथ मैक्लाउड

चित्र: जॉन मान्टा

भाषान्तर: पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

हैरी हूदीनी

लेखन: एलिज़ाबैथ मैक्लाउड

चित्र: जॉन मान्टा

भाषान्तर: पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

वह कौन था जो हाथी को नज़रों से ओझल कर सकता था?

जो ईंट की दीवार को भेद कर पार कर सकता था?

जो पानी के नीचे हथकड़ियों को खोल बच निकल सकता था?

जो जंज़ीरों में जकड़े और तालों में बन्द होने के बावजूद आज़ाद हो जाता था?
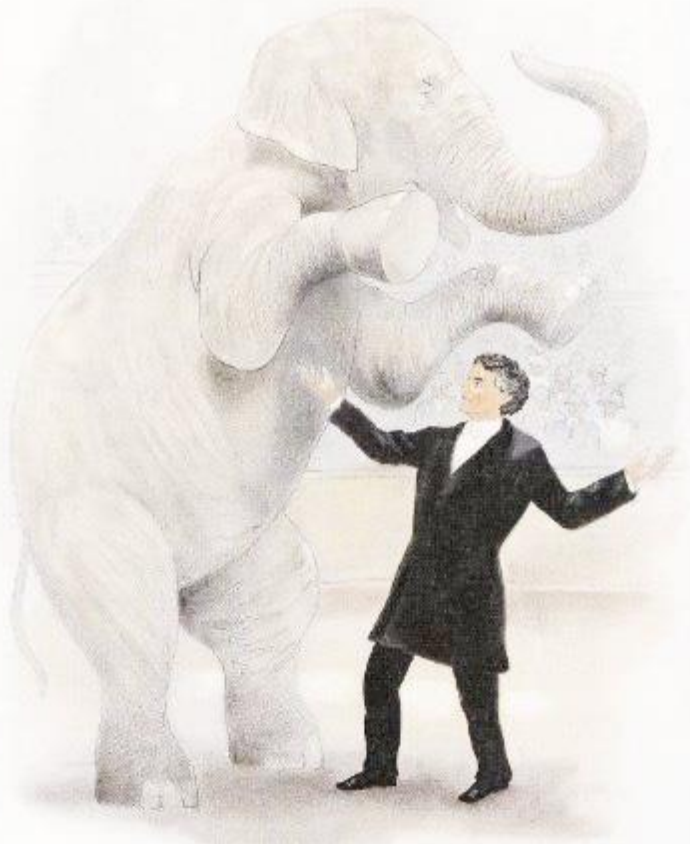
जो सबको अचम्भित करने वाला जादूगर था?

बेशक, हैरी हूदीनी, और भला कौन!

हैरी हूदीनी का असली नाम था एरिक वाइस। पर उसका परिवार और दोस्त उसे 'एयरी' नाम से बुलाते थे।

एयरी 1874 में हंगरी में पैदा हुआ था।

एयरी के पिता को काम नहीं मिल रहा था। एयरी दो ही बरस का था जब उसके पिता अमरीका चले गए। अपने पीछे वे अपनी पत्नी और पाँच बेटों को छोड़ गए।

अमरीका में एयरी के पिता विस्कॉन्सिन में रहे। उन्होंने कड़ी मशक्कत की और पैसे बचाए। दो साल में उन्होंने इतनी बचत कर ली कि अपने परिवार को अमरीका ला सकें।

जब एयरी आठ वर्ष का हुआ उसने अपने जीवन का पहला जादूगरी का शो देखा। जिस जादूगर को उसने देखा उसका नाम था डॉ. लिन।

डॉ. लिन जब अपने करतब पेश करते तो लगता मानो उन्होंने किसी व्यक्ति के हाथ, पैर और सिर को काट दिया है। पर तब वे जादू से उसके हाथ, पैर और सिर को धड़ से जोड़ देते। एयरी ने यह सब देखा और मुग्ध हो गया। उसने खूब तालियाँ बजाईं।

एयरी को कलाबाज़ भी हैरत में डालते थे। उन्हें झूले से लटके कलाबाज़ी के करतब करते देखना एयरी को बेहद अच्छा लगता।

एयरी ने खुद अपना भी एक ऐसा ही कलाबाज़ी वाला झूला बनाया और अपने करतब तैयार किए। मुहल्ले के बच्चे उसे कलाबाज़ी के करतब दिखाने के लिए पैसे देते थे। एयरी इसमें इतना माहिर हो गया कि खुद को 'हवा का राजकुमार' कहने लगा।
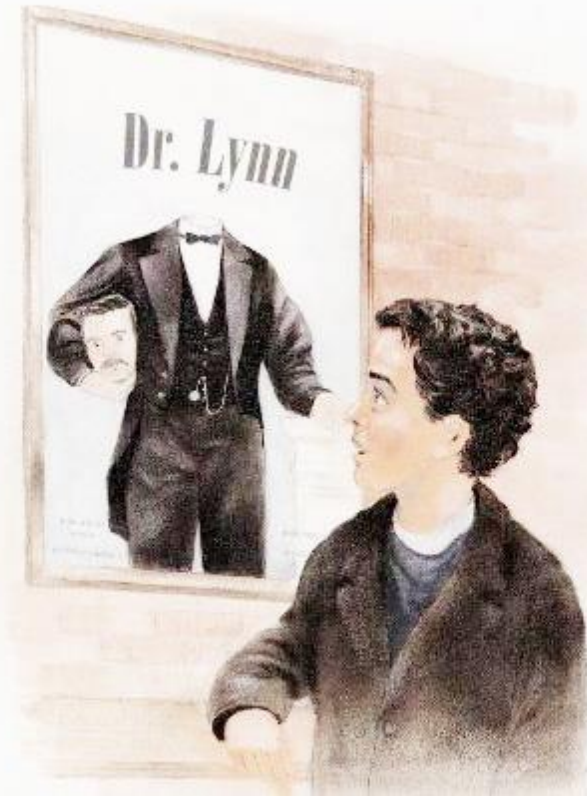
1883 तक एयरी के एक और भाई और एक बहन हो गए। इधर पिता को फिर से काम तलाशने में दिक्कत होने लगी थी। परिवार ग़रीबी झेल रहा था।

एक बर्फीले दिन एयरी फुटपाथ पर खड़ा भीख मांग रहा था। वह अपनी टोपी हाथ में थामे, बिना हरकत किए, बुत बना खड़ा हो गया। उसके सिर पर बर्फ जमा होने लगी। पर उसकी टोपी में सिक्के इकट्ठा होने लगे।

एयरी ने सारे सिक्के अपने कपड़ों में छिपा दिए। तब वह घर दौड़ा और माँ से बोला कि वह उसे हिलाए। हिलाते ही सिक्के हर ओर उछल कर बिखरे। यह एयरी का जादूगरी का पहला करतब था।

एयरी खुद को हमेशा थका महसूस करने और ठण्डा और भूखा रहने से परेशान हो गया। सो जब वह 12 साल का हुआ वह घर से भाग गया।

एयरी ने न्यू यॉर्क सिटी में एक नौकरी तलाशी। पर वह यह न भूल सका कि उसे जादूगरी से प्यार है।

जब एयरी सतरह वर्ष का हुआ उसने अपने एक दोस्त के साथ मिल कर एक कार्यक्रम तैयार किया। अब उन्हें एक अदद ऐसे नाम की तलाश थी जो लोगों को याद रहे।

एयरी ने तय किया कि वह अपना उपनाम 'हूदीनी' रखेगा। खुद का नाम उसने हैरी रखा, क्योंकि यह एयरी से मिलता-जुलता था।

हैरी और उसके दोस्त ने खुद को 'द ब्रदर्स हूदीनी' यानी हूदीनी भ्राता, कहना शुरू किया।
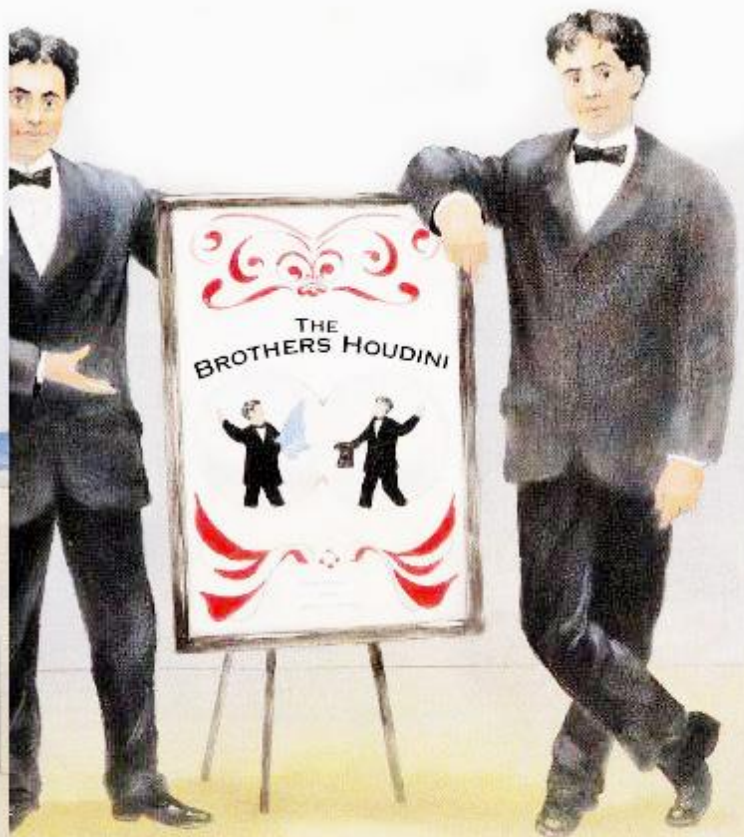
हैरी और उसका मित्र ताश के पत्तों के करतब दिखाते। वे मोमबत्ती की लौ से रूमाल निकालते।

हैरी के कोट के 'बटनहोल' में अचानक फूल नज़र आने लगता। वह रूमालों के रंग बदल डालता।

बाद में हैरी ने अन्य लोगों के साथ भी साझेदारी की। तब 1894 की बसंत में उसकी मुलाक़ात बैस राहनर से हुई।

बैस एक गायिका और नर्तकी थी। दोनों को एक-दूसरे से प्रेम हो गया और उन्होंने शादी कर ली। जल्द ही बैस मंच पर हैरी की सोझेदार बनी।

हैरी और बैस का सबसे उम्दा करतब वह था जिसमें हैरी एक कपड़े की बोरी में घुसता। तब बोरी को कस कर बांध दिया जाता। इसके बाद बोरी एक सन्दूक में रख दी जाती।

सन्दूक को मोटी रस्सियों से बांधा जाता और उसे एक खुले परदे के पीछे रख दिया जाता।

बैस तब तीन बार ताली बजाती और जल्दी से परदा बंद कर देती। फ़ौरन ही परदा वापस खुलता - पर उसे हैरी खोलता!

और बैस? वह सन्दूक के अन्दर बोरे में बन्द मिलती!
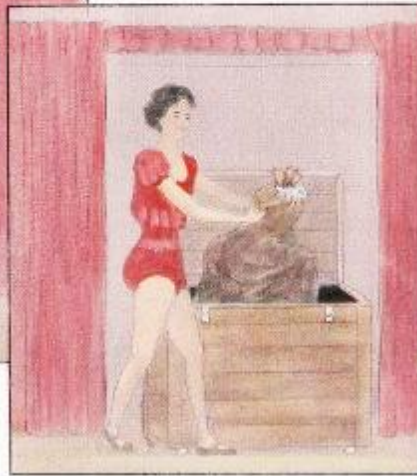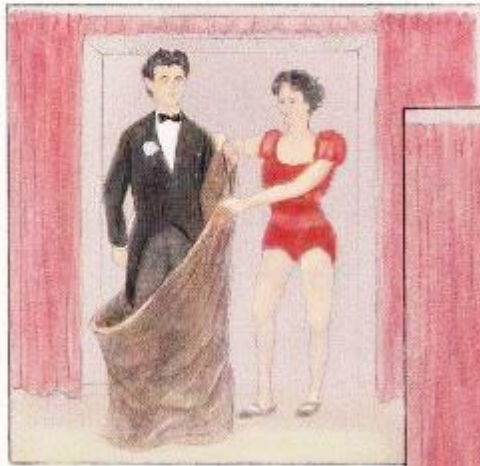
दर्शकों को यह करतब बेहद पसन्द था। पर बाकी कार्यक्रम उन्हें उबाऊ लगता। हूदीनी युगल को देखने आने वाले लोग इससे कम होने लगे।

1899 में हैरी ने दुखी मन से यह तय किया कि वह जादूगरी छोड़ देगा। पर इससे पहले उसे और बैस को कुछ तयशुदा प्रदर्शन करने थे।

उनके एक कार्यक्रम में वह व्यक्ति भी उपस्थित था जो एक बड़े थियेटर के लिए कार्यक्रमों को चुना करता था। उसने हैरी और बैस का प्रदर्शन देखा। उसे हैरी और बैस का 'एस्केप' (बच निकलना) वाला करतब बहुत पसन्द आया।

''जादूगरी के छुटपुट करतबों को भूल जाओ,'' उसने हूदीनी दम्पति को सलाह दी। ''बस बच निकलने वाले (एस्केप) करतब करो।''

हैरी और बैस ने इस सलाह को अज़माने का फ़ैसला किया।
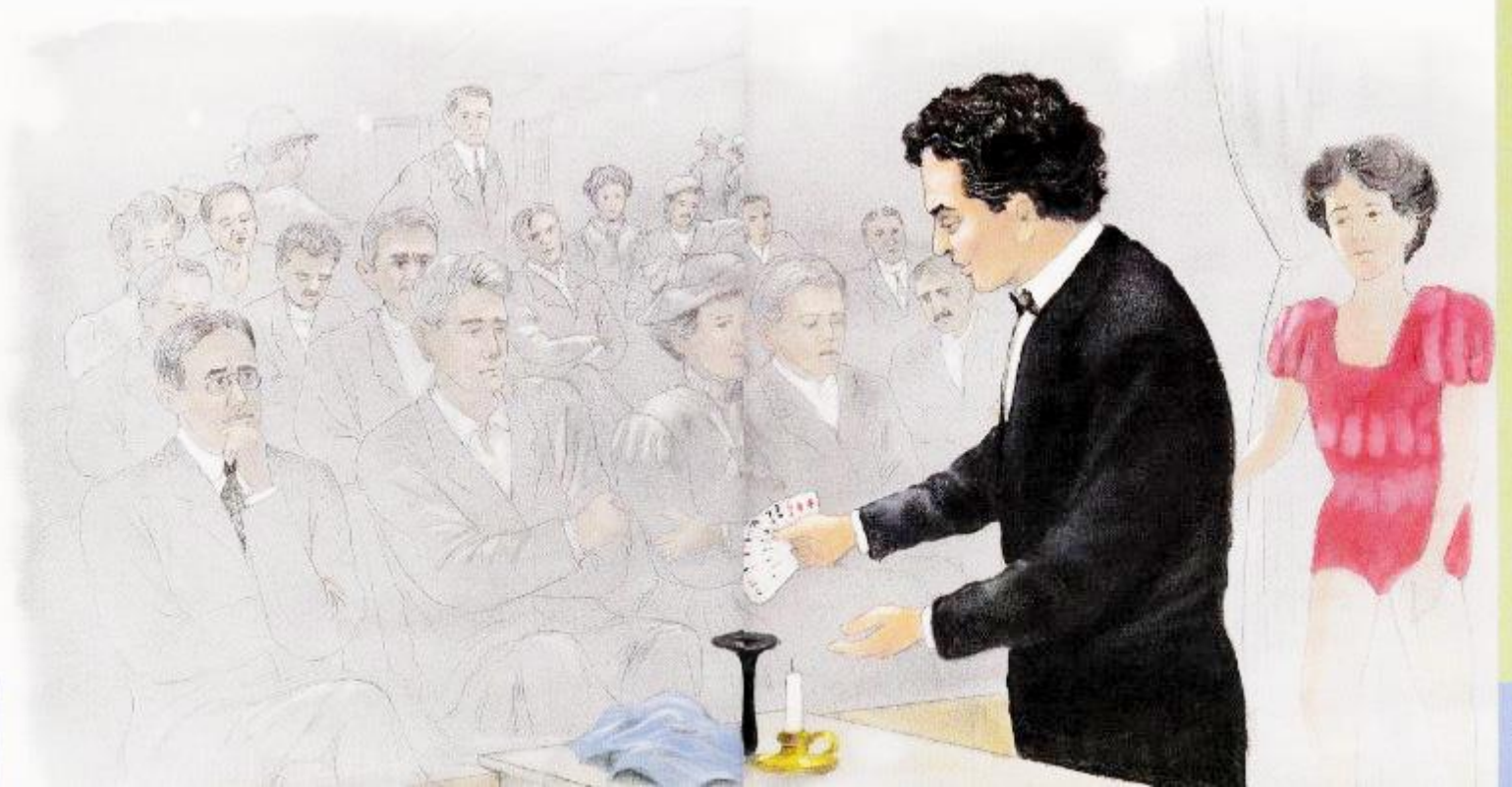
जल्द ही हैरी और बैस को सफलता मिली। पर हैरी समझ चुका था कि दर्शक जल्द ही ऊब सकते हैं। सो, वह नए-नए करतब ईजाद करने लगा।

1907 में हज़ारों की भीड़ एक पुल पर इकट्ठा हुई। उन्होंने हैरी को जंज़ीरों और हथकड़ियों में जकड़े जाते देखा।
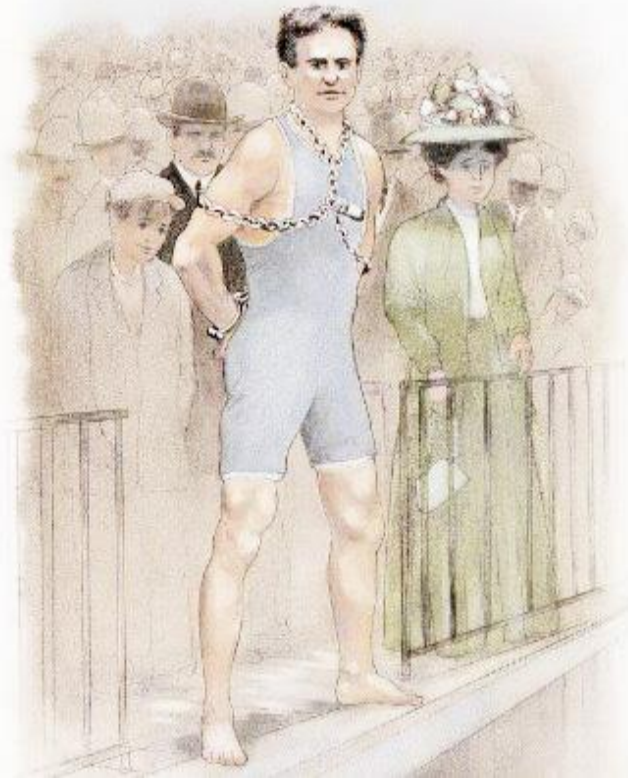
हैरी ने गहरी साँस खींची और पुल से नीचे नदी में छलांग लगा दी। क्या वह डूब जाने वाला था?

अचानक हैरी पानी से बाहर आया। वह जंज़ीरों की जकड़ से निकल चुका था। उसके एक हाथ में खुली हथकड़ी थी।

भीड़ इस करतब से दंग रह गई।

अगले साल हैरी ने दूध के कनस्तर से बाहर निकल आने का करतब दिखाया। उसे पहले हथकड़ियाँ पहनाई गईं। तब वह किसी तरह से सिकुड़ कर कनस्तर में घुसा।

कनस्तर को पानी में भर दिया गया। कनस्तर का ढक्कन बन्द कर दिया गया। विकल्प दो ही थे - या तो वह डूब जाता, या बच निकलता।

सैकेण्ड गुज़रने लगे। दर्शक पगलाने लगे। आख़िरकार हैरी बाहर निकल आया।

1912 में हैरी ने अपने कार्यक्रम में एक और नया करतब जोड़ा। वह काँच से बनी एक पेटी में उलटा लटका था। उस पेटी को पानी से भर दिया गया। उसके पैर भारी शिकंजों में जकड़े हुए थे।

पर हैरी मिनटों में बाहर निकल आया।

कुछ ही समय बाद हैरी ने एक और अनूठा करतब दिखाया। उसे सड़क पर एक खास तरह के जैकेट में जकड़ दिया गया। जैकेट में उसकी बांहों को उसके शरीर से कस कर बांध दिया गया था। इस गिरफ्त से निकलना असंभव ही था।

अब हैरी को हवा में ऊपर उठाया गया। वह नीचे खड़ी भीड़ के ऊपर उलटा लटका था।

हैरी छटपटाया, उसने अपने शरीर को टेढ़े-मेढ़े मोड़ा। और कुछ ही समय में उसने जैकेट को उतार दिया। वह फिर शिकंजे से बच निकला था।

इस समय तक हैरी दुनिया भर में मशहूर हो चुका था। वह जहाँ भी जाता भीड़ इकट्ठा हो जाती। अखबारों में उसके अनूठे करतबों की कहानियाँ छपतीं।

हैरी अब अमीर भी था। वह सप्ताह भर में इतना कमा लेता जितना लोग साल भर में भी नहीं कमा पाते।

1926 के अक्तूबर में हैरी अमरीका और कनाडा में यात्रा कर अपने जादूगरी के करतबों का प्रदर्शन कर रहा था।

क्यूबैक के मॉन्ट्रियाल शहर में, उसके तैयार होने वाले कमरे में वह कुछ छात्रों से बातचीत कर रहा था।
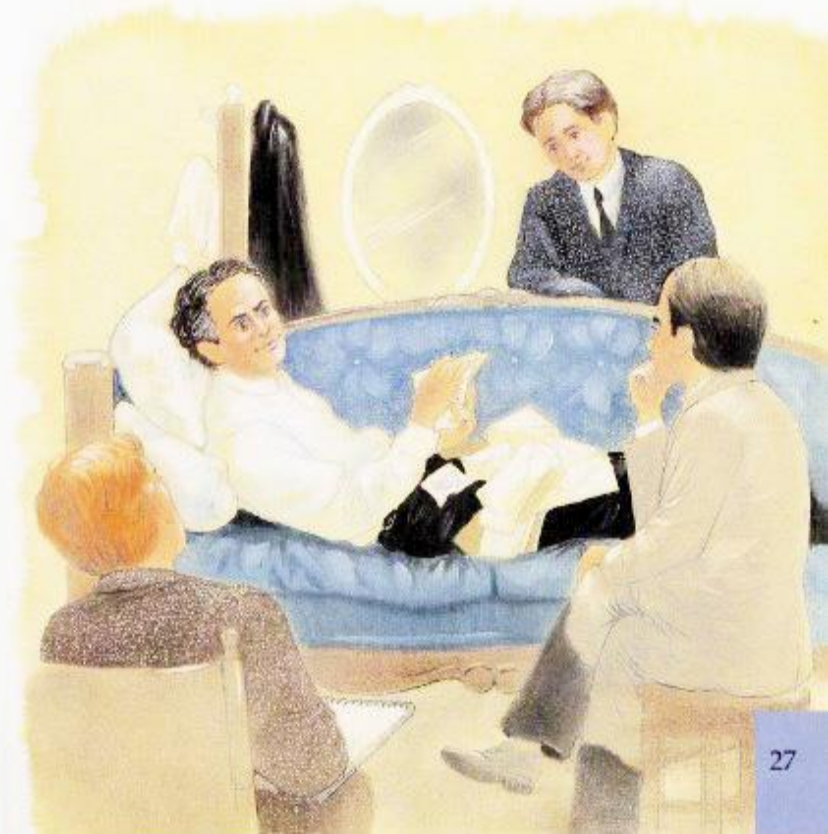
उनमें से एक नौजवान ने जानना चाहा कि क्या सचमें उसके पेट पर मुक्के मारने पर उसे चोट नहीं लगेगी।

"हाँ," हैरी ने जवाब दिया। "पर मुझे इसके लिए पहले तैयारी करनी होगी।"

पर हैरी खुद को तैयार करता उसके पहले ही वह छात्र उसके पेट पर ताबड़-तोड़ मुक्के बरसाने लगा। हैरी को उसे आख़िर रोकना पड़ा।

हैरी का पेट चोटिल हो चुका था। उसने किसी तरह उस रात अपना प्रदर्शन पूरा किया।

उसी रात हैरी ट्रेन पकड़ कर अपने अगले कार्यक्रम के लिए डैट्राइट, मिशिगन के लिए निकला। वह दर्द में था। फिर भी उसने अपना कार्यक्रम रद्द नहीं किया।

जब कार्यक्रम पूरा हुआ वह पस्त हो चुका था। उसे अस्पताल ले जाया गया। पर तब तक बहुत देर हो चुकी थी। हैरी की मौत हैलोवीन के दिन हुई।

लोग आज भी हैरी के हैरतअंगेज़ करतबों की बात करते हैं। अपने कौशल और अपनी कल्पना का उपयोग कर हैरी ऐसे करतब करता रहा जो पहले कभी देखे ही नहीं गए थे।

तो सबसे मशहूर जादूगर भला कौन था? बेशक हैरी हूदीनी!
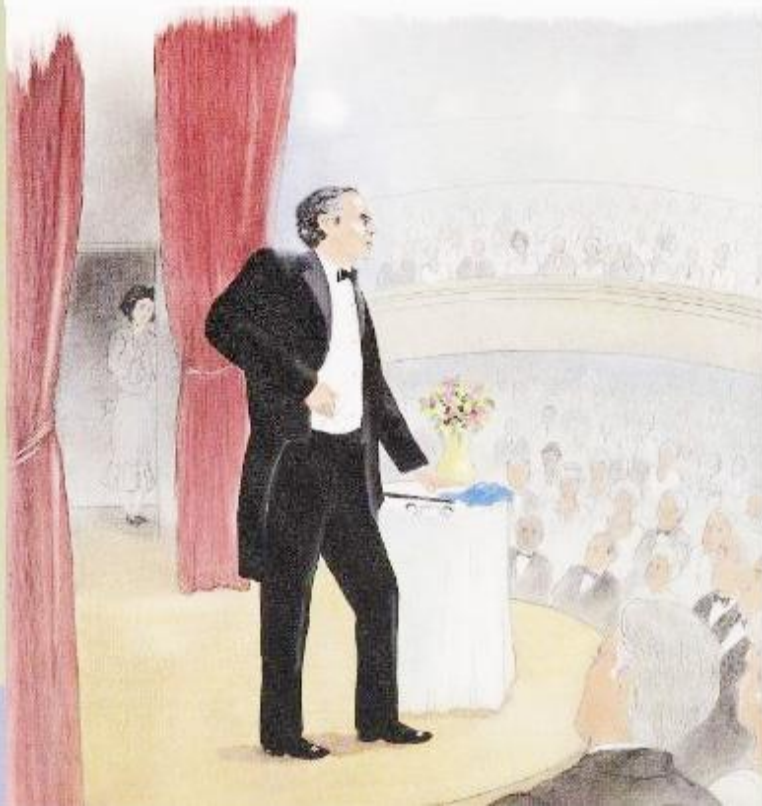
- हैरी का जन्म 24 मार्च 1874 में हुआ।
- उसकी मृत्यू 13 अक्तूबर 1926 में हुई।
- हैरी के सभी करतब बेहद ख़तरनाक थे। तुम कभी खुद उन्हें करने की कोशिश न करना।
- हैरी ने 6 चलचित्रों में काम किया। तुम उनमें से कुछ डीवीडी पर देख सकते हो।
- हैरी को पालतू जानवरों में कुत्तों से प्यार था। उसने एक कुत्ते को छोटी हथकड़ियों की जकड़ से बाहर निकल आना सिखाया था।